



क्या नहीं करें....

- आग के पास खड़े नहीं हों। धुएं के अंदर हमेशा रेंग कर चलें और अपने मुंह को ढक कर रखने की कोशिश करें। किसी भी कारण के जलते हुए घर की तरफ नहीं लौटें; इससे आपकी जान जा सकती है।
- किसी भी कारण से जलते हुए भवन में नहीं लौटें।
- बच्चों को सिखाएं कि वे अग्निशमन कर्मियों से डरें नहीं। यदि कोई लापता हो, तो अग्निशमन कर्मियों को बताएं जो लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए पूरी तरह से लैस होते हैं।
- फायर एण्ड स्मोक चेक दरवाजों को कभी नहीं खेलें क्योंकि वे दरवाजे बन्द रिथ्ति में आग और धुआं अन्दर आने से रोकते हैं।
- सीढ़ियों, कॉरीडोरों और लॉबियों में सामान नहीं रखें क्योंकि ये बाहर निकलने के रास्ते हैं।
- आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का प्रयोग कभी नहीं करें। हमेशा सीढ़ियों का उपयोग करें।
- सामान इकट्ठा करने के लिए बिल्कुल नहीं रुकें।
- चिल्लाएं नहीं और न ही भागें। इससे अन्य लोग घबरा सकते हैं।

**आग की रोकथाम के लिए
सावधानियाँ बरतें**



आग लगने पर

101

नंबर पर डायल करें

या

**अपने निकटतम अग्निशमन
केन्द्र से संपर्क करें**



महानिदेशालय, अग्नि सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं होम गार्ड्स

भारत सरकार गृह मंत्रालय
पूर्वी खंड-VII, लेवल-7, आर. के. पुरम्, नई दिल्ली-110066

टेलीफैक्स : 011 26196370

ईमेल : dgcdfire@gmail.com

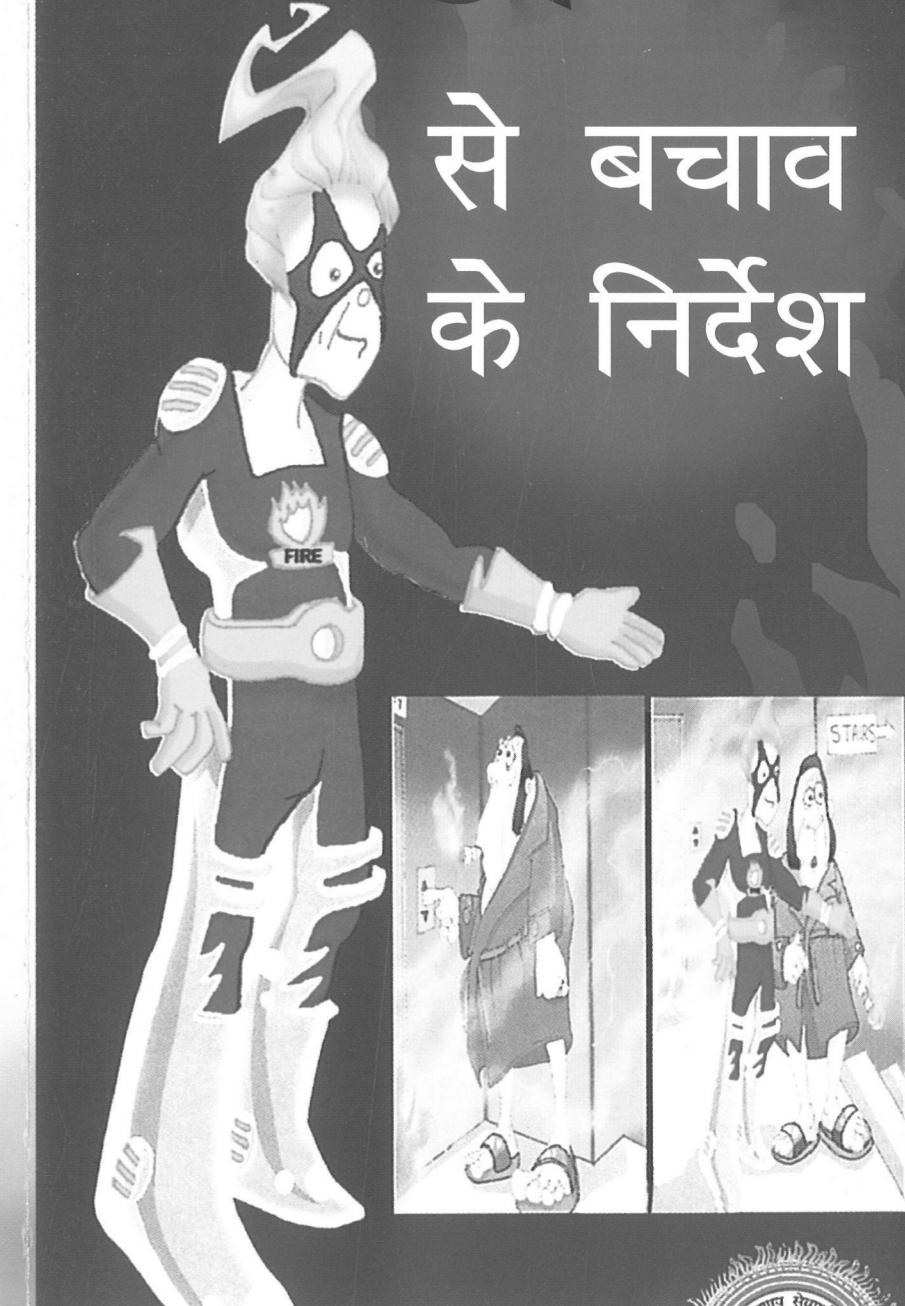
Website : www.ndrfandcd.gov.in

निकटतम
मुद्रक : कृति, नई दिल्ली

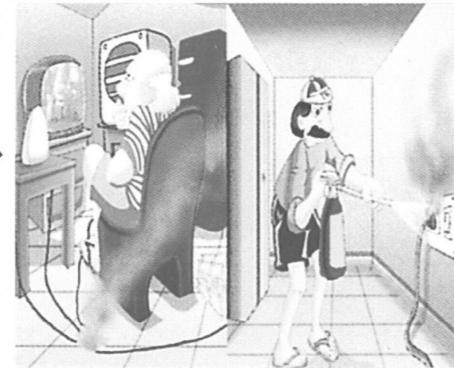
जनहित में जारी



आग से बचाव के निर्देश



आग से बचाव के नियंत्रण



आग है क्या :

आग एक रासायनिक क्रिया है जिसमें ताप, प्रकाश और धुएं का समावेश होता है। आग पैदा करने के लिए ताप, ईंधन और ॲक्सीजन का संतुलित मात्रा में होना आवश्यक है। इनमें से किसी भी एक चीज़ की कमी से आग बुझ जाती है।

आग तेजी से फैलती है :

अब यह साबित हो चुका है कि आग की छोटी-सी लौ एक क्षण में पूरी तरह से अनियंत्रित होकर बड़ी आग में बदल सकती है। यह किसी घर को बड़ी जल्दी खाक में बदल सकती है। मिनटों में धर आग की लपटों में घिर सकता है। “बचने” के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। “बचकर निकलने में प्रत्येक सैकेंड का महत्व है।”

आग में तेज गर्मी और धुएं की घनी परत होती है

आग से गर्मी पैदा होती है जो व्यक्ति को मार सकती है। कमरे का तापमान फर्श के लेवल पर 100 डिग्री सेल्सियस होता है जो आंख के लेवल पर 600 डिग्री तक पहुंच सकता है। अत्याधिक गर्म हवा में सांस लेने पर आपके फेफड़े झुलस सकते हैं। आंच आपके कपड़े को पिघला सकती है। 5 मिनट के भीतर कमरा इतना गर्म हो सकता है कि उसके अंदर का सारा सामान एक बार में जल सकता है। आग से अंधेरा छा सकता है, भले ही इसमें चमक होती है। यह धुएं की काली परत पैदा करती है जिससे दिखना बंद हो जाता है।

ताप से बचिए!

अंधेरा फैलने से
पहले निकल जाइए!

आग जानलेवा हो सकती है :

आग से ताप, धुआं और विषैली गैस पैदा होती है। धुआं और विषैली गैस ताप की तुलना में तेजी से फैलती है, अतः लपटों से अधिक धुएं और विषैली गैसों के कारण लोगों की मृत्यु होती है। धुएं और विषैली गैस की थोड़ी सी मात्रा भी सांस के अंदर चले जाने पर आप बेहोश, भावशून्य हो सकते हैं और आपकी सांस उखड़ सकती है। आग की लपटें आपके घरों के दरवाजे पर पहुंचे, उससे पहले ही गंधीन और रंगहीन धुएं से आप बेहोश हो सकते हैं।

आग कभी भी लग सकती है :

घरों, उद्योगों, कार्यालयों आदि में आग लग सकती है। आग को रोकिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आप और अन्य लोगों को इस के बारे में जानकारी है कि...

- आग लगने पर क्या करें?
- आप या किसी अन्य सदस्य को आग के बारे में पता चल जाने के बाद क्या करना चाहिए?
- आप और अन्य लोग आग से कैसे बचें?



“सुरक्षित निकलने के उपाय व जानकारी”

क्या करें :

आग लग जाने पर हमेशा याद रखें कि समय मूल्यवान है और प्रत्येक सेकण्ड महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित उपायों को अपनायें...

- शांत रहें, घबराएं नहीं और दौड़ें नहीं।
- शोर कर अपने परिसर में सभी को सतर्क कर दें।
- पहले बाहर निकलें और फिर सहायता मांगें।
- बाहर निकलने के सबसे छोटे मार्ग का प्रयोग करें।
- परिसर छोड़ने से पूर्व सभी दरवाजों और खिड़कियों को बंद कर दें और यदि संभव हो तो यह सुनिश्चित कर लें कि कोई भी भीतर न छूटे और आप सभी सुरक्षित हों।

